THE SICK INDUSTRIAL COMPANIES (SPECIAL PROVISIONS) AMENDMENT BILL, 1992

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI DALBIR SINGH: Madam, I introduce the Bill.

THE NATIONAL COMMISSION FOR MINORITIES BILL 1992

THE DEPUTY CHAIRMAN: We now take up the National Commission for Minorities Bill, 1992. Shri Sitaram Kesri.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): मैं इसके इन्ट्रोडक्शन पर कुछ कहना चाहता हूं।

उपसभापति: अभी आप उनको बोलने नहीं दे रहे हैं। कितनी देर से केसरी जी बैठे हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: इस बिल के विरोध में मेरे तीन बिन्दु हैं। पहला यह कि यह संविधान की धाराओं की भावनाओं के विरुद्ध है। दूसरा यह विभक्तकारी है और तीसरा यह डिक्लेरेशन आफ ह्यूमन राइट्स के खिलाफ है।

उपसभापति: लेकिन यह तो पास होने आया है। यह लोकसभा में पास हो गया है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: यह हमारा अधिकार है।

उपसभापति: आप भाषण करिए। यहां तो कंसीडरेशन हो रहा है, इन्ट्रोडक्शन नहीं है। इन्ट्रोडक्शन तो दूसरे बिल का था। माथुर साहब मैं आपसे अर्ज करूं... (**व्यवधान**)...

Let me explain the technical point.

मैंने जो बिल इन्ट्रोड्यूज कराया था वह दलवीर सिंह जी का बिल था। अब यह केसरी जी का बिल है। यह इन्ट्रोड्यूज नहीं हो रहा है, यह कंसीडरेशन के लिये आया है। लोकसभा ने इसे पास कर दिया है। इसलिये इसको यहां पास करना ही है और इस पर आपको बोलना ही है। आप इस पर जरूर बोलना।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: मेरा अधिकार है। इसको यहां पर डिसकश न किया जाय, इसको वापस किया जाय। यह मेरा अधिकार है।

उपसभापति: आप जरूर बोलिये जब आपका बोलने का समय आये।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: अभी है बोलने का समय।

उपसभापति: अभी मंत्री जी का है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): क्या आप अल्पसंख्यकों के खिलाफ है?

श्री प्रमोद महाजन: आप हिन्दुओं के खिलाफ है। ...(**व्यवधान**)...

उपसभापति: सिकन्दर बख्त साहब, शायद आपने सुना नहीं। माथुर साहब, जरा कृपया एक मिनट मेरी बात सुनेंगे। मैं यही अर्ज करना चाह रही हूं कि there is some confusion. This Bill is not for introduction now. This Bill has come up for consideration now. The Bill which I had allowed to be introduced was Mr. Dalbir Singh's Bill. There is some confusion. This Bill is for consideration. There is no provision for any Member to speak at this stage. The Minister has to move the Bill first